प्रजनन चिकित्सा ने कृत्रिम प्रजनन तकनीकों 'एआरटी' के विकास की अनुमति : डॉ. शशिबाला

लूईस ब्राउन का जन्म भी शामिल है, जो 1978 में आई वी एफ के माध्यम से गर्भधारण करने वाला पहला वच्चा था।

एसटी आई बैक्टिरिया, वायरल या फंगल हो सकता है और पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित कर सकता है।

प्रजनन चिकित्सा : पुरुष और महिला प्रजनन प्रणाली से सम्बंधित चिकित्सा की एक शाखा है। इसमें विभिन्न प्रकार की प्रजनन स्थितियाँ, उनकी रोकथाम और मूल्यांकन, साथ हीं उनके बाद के उपचार और निदान शामिल है। प्रजनन चिकित्सा ने कृत्रिम प्रजनन तकनीकों (एआरटी) के विकास की अनुमति दी है जिससे मानव बाँझपन पर काबू पाने में प्रगति हुई है, साथ हीं इसका उपयोग कृषि और वन्यजीव संरक्षण में भी किया जा रहा है। (ए.आई) और भ्रूण स्थानांतरण, साथ हीं जिनोम संसाधन बैंकिंग शामिल है। ऐसा माना जाता है की प्रजनन चिकित्सा का अध्ययन अरस्तु के समय का है, जहाँ वह 'हमेटोजेन्स प्रजनन सिद्धांत' के साथ आए थे, हालांकि साक्ष्य आधारित प्रजनन चिकित्सा का पता 1970 के दशक से चलता है। तब से, प्रजनन चिकित्सा के लिए कई मील के पत्थर रहे हैं, जिसमें लूईस ब्राउन का जन्म भी शामिल है, जो 1978 में आई वी एफ के माध्यम से गर्भधारण करने वाला पहला वच्चा था। प्रजनन क्षमता को प्रभावित करने वाली स्थितियाँ : प्रजनन चिकित्सा के एक महत्वपूर्ण हिस्से में पुरुषों और महिलाओं दोनों में प्रजनन क्षमता को बढ़ावा देना शामिल है। महिलाओं में बाँझपन या बाँझपन के कारण : 'ओवुलेटरी डिसफंक्शन, पॉलिसिस्टिक औवरी सिंड्राम (पीसीओएस) हाईपरगोनैडोट्रॉपिक हैपोगोनाडिज्म, हाइपोगोनैडोट्रोपिक हाइपोगोनाडिज्म 'ट्यूबर डिसफंक्शन, श्रोणी सूजन बीमारी, Endometriosis. पिछली नसबन्दी, पिछली सर्जरी, ग्रिवा या गर्भशय सम्बन्धी शिथिलता, पैदाइशी असमानता, फाइब्राउड, एशरमैन सिंड्राम, हार्मोनल मुद्दे : हाइपोथायराइडिज्म, अतिगलग्रंथिता, कुशिंग सिंड्राम जन्मजात अधिवृकिय अधिवृद्धि पुरुषों में बाँझपन या बाँझपन के कारणः शुक्राणु संख्या या कार्य में समस्या, गुप्त वृषणता, 'गुणसूत्र सूक्ष्म विलोपन, वृषण शीरापस्फीति, हाईपरगोनैडोट्रोपिक हाइपोगोनाडीज्म, हाईपरगोनैडोट्रोपिक, हाईपरगो नै डोट्रोपिक हाईपरगोनाडिज्म, ट्यूबर डिसफंक्शन, पैदाइशी असमानता पहले यौन संचारित संक्रमण, पुरुष नसबन्दी 'शुक्राणु वितरण में समस्या : शीघ्रपतन, प्रजनन अंगों को नुकसान, प्रतिगामी सखलन कुछ आनुवंशिक रोग महिला मूल्यांकन एक पूर्ण चिकित्सा इतिहास (एनामनेसिस) से शुरू होता है जो महिला के सामान्य स्वास्थ्य, यौन इतिहास और प्रासंगिक पारिवारिक इतिहास का विवरण प्रदान करता है।

प्रजनन चिकित्सा निम्नलिखित स्थितियों की रोकथाम

निदान और प्रबंधन से सम्बंधित है। यह अनुभाग मानव प्रजनन प्रणाली को प्रभावित करने वाली कई सामान्य स्थितियों के उदाहरण देगा : संक्रांमक रोग – प्रजनन पथ संक्रमण (आरटीआई) ऐसे संक्रमण है जो प्रजनन पथ को प्रभावित करते हैं। (आर्टिआई) तीन प्रकार के होते हैं –अंतरजातीय आरटीआई बैक्टीरिया की अत्यधिक वृद्धि के कारण होते हैं जो सामान्य रूप से मौजूद होते हैं। अंतरजात आरटी आई का एक उदाहरण वैक्टिरियल वेजिसनोसिस है। यौन संचारित संक्रमण (एसटी आई) यौन गतिविधि से फैलानेवाले संक्रमण हैं, आमतौर पर योनि सम्भोग, गुदा सेक्स, मौखिक सेक्स और शायद हीं कभी मैन्युअल सेक्स द्वारा कई एसटीआई का ईलाज संभव है, हालांकि, एचआईवी जैसे कुछ एसटी आई लाइलाज है। एसटी आई बैक्टिरिया, वायरल या फंगल हो सकता है और पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित कर सकता है। प्रजनन कैंसर महिलाओं को प्रभावित करता है। स्तन कैंसर, अंडाशय कैंसर, गर्भाशय कर्क रोग, ग्रिवा कैंसर, प्रजनन कैंसर पुरुषों को प्रभावित करता है : प्रोस्टेट कैंसर, पेनाइल कैंसर, शुक्र ग्रंथि का कैंसर, पुरुष स्तन कैंसर, सौम्य प्रोस्टेटिक हाईपस्ट्रोफी